Literacy for a Billion

Movie: Barsaat Ki Ek Raat (1960)
Year: 1960

Song: Zindagi Bhar Nahi Bhulegi 1
Lyricist: Sudhir Ludhianvi

ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
एक अनजान मुसाफिर से
मुलाक़ात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
हाय
जिस रात मेरे दिल ने धड़कना सीखा
शोख जज़्बात ने सीने में भड़कना सीखा
मेरी तकदीर से निकली वही
मेरी तकदीर से निकली वही
सदमात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
दिल ने जब प्यार के रंगीन फ़साने छेड़े
आँखों आँखों में वफ़ाओं के तराने छेड़े
सोग में डुब गई आज वो
सोग में डुब गई आज वो
नगमात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
रूठने वाली रूठने वाली
मेरी बात से मायूस ना हो
बहके बहके से खयालात से मायूस ना हो
खत्म होगी ना कभी
खत्म होगी ना कभी
तेरे मेरे साथ की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
एक अनजान हसीना से
मुलाक़ात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.